नई दिल्ली, 11 जून 2019 दैनिक जागरण

ग्रेनो वेस्ट में मेट्रो के लिए नए सिरे से जारी होगी निविदा

सेक्टर-79 के पास से गुजरती एक्वा लाइन मेट्रो ● जागरण

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा : ग्रेटर नोएडा वेस्ट में मेट्रो ट्रैक निर्माण के लिए नए सिरे से निविदा जारी होगी। यह निविदा निर्माण (सिविल) कार्य के लिए जारी होगी। पुरानी दर में दस फीसद की बढ़ोतरी के साथ निर्माण कार्य कराने पर सहमति न बनने के बाद यह फैसला लिया गया है। बिजली संबंधी कार्य पुरानी निविदा की दर के आधार पर ही होंगे। इससे ग्रेटर नोएडा वेस्ट में मेट्रो पहुंचाने में कुछ विलंब हो सकता है। निविदा का प्रस्ताव शासन में विचाराधीन है। शासन ने अनुमति मिलने के बाद इसे जारी किया जाएगा।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट की आबादी एक लाख से अधिक हो चुकी है। बिल्डर परियोजनाओं में फ्लैट पर कब्जा मिलने के साथ आबादी भी तेजी से बढ़ रही है। इलाके में सुगम परिवहन की ज़रूरत को देखते हुए प्राधिकरण ने ग्रेटर नोएडा वेस्ट को मेट्रो से जोड़ने का फैसला किया गया है। नोएडा सेक्टर 71 से एक्वा मेट्रो का विस्तार कर इसे ग्रेटर नोएडा वेस्ट तक बढ़ाया जाएगा। नोएडा सेक्टर 71 से नॉलेज पार्क पांच तक मेट्रो ट्रैक का निर्माण दो चरणों में होगा। पहले चरण में सेक्टर 71 से ग्रेटर नोएडा के सेक्टर दो तक मेट्रो का संचालन होगा। यह रूट 9.155 किमी लंबा होगा। इसके निर्माण पर 1521 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसमें नोएडा प्राधिकरण व केंद्र सरकार 1286 करोड़ व ग्रेटर नोएडा 235 करोड़ वहन करेगा। नोएडा सेक्टर 71 के बाद सेक्टर 120, सेक्टर 123, ग्रेनो वेस्ट सेक्टर चार, सेक्टर 16 बी व सेक्टर दो स्टेशन होंगे। दूसरे चरण में नॉलेज पार्क पांच तक 14.95 किमी ट्रैक का निर्माण होगा। रूट पर मेट्रो सेवा जल्द संचालित कराने के लिए नोएडा-ग्रेटर नोएडा के बीच बनाई गई एक्वा मेट्रो की लागत में दस फीसद की बढ़ोतरी कर इसका निर्माण कार्य शुरू कराने की योजना तैयार की गई थी। इसे लेकर नोएडा, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण और नोएडा मेट्रो रेल कारपोरेशन के अधिकारियों के बीच वार्ता हुई थी, लेकिन सहमति नहीं बन सकी। निर्माण सामग्री की दरों में बढ़ोतरी को देखते हुए पुरानी दर पर सिविल कार्य पर सहमति नहीं बन पाई। प्राधिकरण अधिकारियों का कहना है कि ग्रेटर नोएडा वेस्ट में मेट्रो ट्रैक के सिविल कार्य के लिए नए सिरे से निविदा जारी की जाएगी। इसमें करीब छह माह का समय लगेगा। प्राधिकरण की योजना दिसंबर 2020 तक रूट पर मेट्रो संचालन शुरू करने की है।

कवायद

- सिविल कार्य के लिए जारी होगी निविदा
- पुरानी दरों को लेकर नहीं बनी सहमति